

डॉ. अगस्त कोकेल, क्रॉनिकल्स, सत्र 9, ऐतिहासिक इज़राइल

© 2024 गस कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ऑगस्ट कोकेल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 9 है, ऐतिहासिक इज़राइल।

हमने दाऊद को यरूशलेम में आराधना की स्थापना के साथ छोड़ा था।

अब हम दाऊद के राज्य के बारे में बात करने के लिए वापस आना चाहते हैं, जिसे इतिहासकार ने कुछ अनोखे अध्यायों में वर्णित किया है, ताकि वह राज्य का वर्णन उस तरह से कर सके जैसा वह कल्पना करता है, जिस तरह से वह सोचता है कि यह उसके समय में और साथ ही दाऊद के समय में परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। और इसलिए, ये अगले अध्याय वे हैं जिनमें इतिहासकार हमें अनिवार्य रूप से लेवियों और राज्य के अधिकारियों और सभी घटनाओं के संबंध में दाऊद के राज्य के प्रशासन की ओर ले जाता है। इसलिए, अध्याय 18 में इतिहासकार कुछ युद्धों के बारे में बात करने के लिए वापस आता है, जिसने दाऊद को क्षेत्र हासिल करने में सक्षम बनाया।

आप जानते हैं, अगर कोई राष्ट्र बनना है, अगर किसी तरह का कोई राज्य बनना है, तो उसके लिए क्षेत्र होना ज़रूरी है। और यहूदा का राज्य, यहूदा का गोत्र, एक अपेक्षाकृत छोटा क्षेत्र है, इसलिए यह दाऊद के नेतृत्व में ही था कि हमें एक ऐसा राज्य या साम्राज्य मिला, जिसमें क्षेत्र को नियंत्रित किया जाता था। इसलिए, इतिहासकार हमें दाऊद के कुछ युद्धों को समझने के लिए प्रेरित करता है।

वह फिलिस्तिन और मोआब के युद्धों से शुरू करते हैं। वे स्थानीय लोग हैं। फिलिस्तिन वे लोग हैं जो परंपरागत रूप से पश्चिम में इज़राइल के दुश्मन थे, लेकिन वे बहुत कमज़ोर हो गए थे।

पलिश्टी शहर गाजा, एक्रोन और अशदोद थे। अगर आप आधुनिक इज़राइल के बारे में सोचें, तो गाजा पट्टी पारंपरिक पलिश्टी क्षेत्र का हिस्सा है। और इसलिए, पलिश्टी हमेशा उस क्षेत्र को यहूदा के गोत्र तक और, यदि संभव हो तो, जॉर्डन नदी तक विस्तारित करने की कोशिश कर रहे थे, जैसा कि उन्होंने शाऊल पर विजय प्राप्त करते समय किया था।

लेकिन फिर दाऊद ने जो किया वह इसे उलट कर फिलिस्तिन पर विजय प्राप्त करना था। और मोआब, बेशक, अर्नोन नदी के ठीक उत्तर में स्थित क्षेत्र था, जो मृत सागर के बीच में बहती है। और वहाँ से, यह एक प्रकार का पठार था, एक ऊँची पहाड़ी रिज जो मोआब की भूमि के रूप में कार्य करती थी।

इसके बड़े क्षेत्र हेशबोन तक फैले हुए थे, जो मृत सागर की नोक से आगे है। तो, यह इस बात का विवरण है कि कैसे दाऊद ने मृत सागर के पूर्व में उस क्षेत्र पर कब्ज़ा किया। इतिहासकार फिर दाऊद द्वारा एदोम पर विजय के बारे में बात करते हैं।

अब, हमने वंशावली में पहले एदोम को सेईर पर्वत के रूप में देखा था। यह मृत सागर के दक्षिणी सिरे से लेकर अकाबा की खाड़ी तक का क्षेत्र है। और यह क्षेत्र वास्तव में लोगों के एक ढीले संघ द्वारा कब्जा किया गया था।

लेकिन यह हमेशा से ही इजरायल के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है, और इसे डेविड ने बंदरगाह, एज़ियन-गेबर तक पहुँच प्राप्त करने के लिए जीता था, जो अकाबा की खाड़ी पर है। इजरायल के पास भूमध्य सागर तक पहुँच है, और फिर दक्षिण तक पहुँच अकाबा की खाड़ी के माध्यम से आती है। और डेविड और सोलोमन के साम्राज्यों को काम करने के लिए, उन्हें उत्तर में फोनीशियन और टायर और सिडोन की मदद की ज़रूरत थी, क्योंकि वे नाविक थे।

और फिर दक्षिण में एज़ियन-गेबर के लोग। तो यही इन युद्धों का महत्व है। इतिहासकार इसका वर्णन करने के बाद, वह दाऊद के प्रमुख लोगों की सूची देता है।

और यहाँ पर हम उन नामों को दोहराते हैं जो पहले भी हमारे पास थे। जो उनके सैन्य नेता थे, जैसे बनायाह और योआब। जो उनके प्रशासनिक अधिकारी, पुजारी और शास्त्री थे, जैसे सादोक, और इसी तरह के अन्य।

और महल के पहरेदार, तो वह बनायाह होगा। और इसलिए वहाँ इस तथ्य की एक छोटी सूची है कि दाऊद के पास एक बहुत ही सुव्यवस्थित राज्य था, एक बहुत ही सुव्यवस्थित राष्ट्र, एक राज्य, और वह इसे एक राज्य बनने की दिशा में विस्तारित कर रहा था। फिर दाऊद के युद्ध पूर्व की ओर फैल गए।

यहाँ, हमारे पास अम्मोन और फिर अरामियों के साथ दाऊद के युद्धों का रिकॉर्ड है। यदि आप मृत सागर के पूर्व में स्थित क्षेत्र के बारे में सोचते हैं, तो हमारे पास याबक नदी है। और याबक नदी वह है जो मृत सागर और गलील सागर के बीच में जॉर्डन नदी में बहती है।

और याबक नदी दक्षिण की ओर नीचे झुकती है, जैसा कि हम वहाँ देख सकते हैं, जहाँ आपको रबाह का मुख्य शहर दिखाई देता है। तो, यह लड़ाई वास्तव में काफी प्रसिद्ध लड़ाई है, जिसका वर्णन शमूएल में कुछ विस्तार से किया गया है, जहाँ अम्मोन के लोग, जो याबक नदी के पूर्व की ओर थे, अम्मोनियों ने ही दाऊद और उसके साम्राज्य के लिए मुश्किलें खड़ी की थीं। अब, शमूएल की पुस्तक में, अध्याय 10 और अध्याय 11 के बीच, वास्तव में एक बहुत ही अचानक परिवर्तन होता है कि अम्मोनियों कौन थे और वे क्या कर रहे थे।

मैं आपको एक छोटा सा हिस्सा पढ़ना चाहता हूँ जो डेड सी स्कॉल के सैमुअल में पाया गया है। यह हिस्सा, बिना किसी सवाल के, जिसे हम हैप्लोग्राफी कहते हैं, उससे छूट गया। दूसरे शब्दों में, मैंने एक पंक्ति में समान शब्दों और अक्षरों से नीचे कई पंक्तियों में समान शब्दों और अक्षरों को छोड़ दिया।

सैमुअल के अभिलेखों में, जो मृत सागर स्कॉल की खोज तक हमारे पास थे, ये आयतें अज्ञात थीं। लेकिन सैमुअल के स्कॉल में, जैसा कि हमें मृत सागर स्कॉल से मिला है, ये आयतें बहुत मौजूद

हैं। मुझे यह निराशाजनक लगता है कि बाइबल अनुवादकों को पाठ्य आलोचना करना और पाठों को उसी रूप में वापस लाना पसंद है, जैसा कि वे लिखे गए थे, लेकिन वे इसे शामिल नहीं करते हैं।

वास्तव में दो अनुवाद हैं जो ऐसा करते हैं। एक है न्यू लिविंग ट्रांसलेशन, और दूसरा है रिवाइज्ड स्टैंडर्ड बाइबल। लेकिन मुझे लगता है कि ये दो आयतें बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें मैं आपको अम्मोनियों के बारे में पढ़कर सुनाने जा रहा हूँ।

अम्मोनियों के राजा नाहाश ने जॉर्डन नदी के पूर्व में रहने वाले गाद और रूबेन के लोगों पर बहुत अत्याचार किया था। अब, हम याद करेंगे कि यह रूबेन का क्षेत्र था, यहीं पर, और गाद का, यहाँ पर। अब, वे सैद्धांतिक रूप से अम्मोनियों के पश्चिम में थे, लेकिन निश्चित रूप से, अम्मोनियों, जो यहाँ रब्बा के मुख्य शहर में, जब्बोक नदी के स्रोतों पर रहते थे, अक्सर युद्ध में रहते थे, अपने क्षेत्र का विस्तार करने की कोशिश करते थे।

इसलिए, उसने वहाँ रहने वाले हर इस्राएली की दाहिनी आँख फोड़ दी, और उसने किसी को भी आकर उन्हें बचाने की अनुमति नहीं दी। अब, युद्ध हमेशा भयानक होता है, और यह हमेशा क्रूर होता है। जब हम पुराने नियम में युद्ध के बारे में ये बातें पढ़ते हैं, तो हमें याद दिलाना चाहिए कि यह वास्तव में हमारे दिनों में भी अलग नहीं है।

अब हम पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस सिंड्रोम के बारे में ज़्यादा बात करते हैं, लेकिन असल में यह युद्ध में जो कुछ भी होता है, उसके प्रभाव हैं और यह हमारे साथ बहुत ज़्यादा मौजूद है, चाहे हम अफ़गानिस्तान की बात करें या कुछ साल पहले इराक की। ये चीज़ें भयानक हैं और क्रूर हैं। अब, दाहिनी आँख निकालने की बात यह थी कि ज़्यादातर योद्धा तीर को अपने दाहिने हाथ से पीछे खींचकर मारते थे, और इसलिए निशाना लगाने के लिए उन्होंने दाहिनी आँख का ही इस्तेमाल किया।

तो, यह इस्राएली सैनिकों को अक्षम करने का तरीका था। तो, अम्मोनियों ने रूबेन और गाद के गोत्रों के खिलाफ युद्ध किया और उनके योद्धाओं को अक्षम कर दिया। वास्तव में, जॉर्डन के पूर्व में सभी इस्राएलियों में से एक भी ऐसा नहीं था जिसकी दाहिनी आँख नाहाश ने न निकाली हो।

लेकिन 7,000 लोग ऐसे थे जो अम्मोनियों से बचकर भाग निकले थे और वे जाबेश गिलाद में बस गए थे। तो, जाबेश गिलाद उत्तर की ओर थोड़ा सा शहर था, सुक्कोट के इलाके में, जहाँ उन्हें एक इज़राइली राज्य के रूप में अधिक सुरक्षा मिली हुई थी। और फिर यहीं पर हमें अम्मोनियों के राजा नाहाश का परिचय मिलता है, जो आकर इज़राइली सैनिकों को अपमानित करता है, जैसा कि इतिहासकार हमें बताते हैं, और शमूएल की किताब भी हमें यही बताती है।

तो, यह अम्मोन के उकसावे की इस विशेष कहानी की पृष्ठभूमि है। अब, इस कहानी में, जैसा कि इतिहासकार बताते हैं, अम्मोनियों ने फैसला किया कि वे इस्राएलियों का मुकाबला नहीं कर सकते, और उन्होंने उत्तर में अरामियों से मदद मांगी। और अराम, बेशक, गैलिली सागर के उत्तर में, दमिश्क से होते हुए अराम- सोबा नामक क्षेत्र तक फैल गया।

लेकिन इतिहासकार हमें याद दिलाते हैं कि क्योंकि दाऊद वफ़ादार था और क्योंकि परमेश्वर ही था जो उसके लिए लड़ रहा था, इसलिए यह गठबंधन हार गया। इसलिए, यह हार तब रबाह में अम्मोनियों की राजधानी के विनाश के साथ समाप्त हुई। इतिहासकार फिर हमें पलिशतियों पर अन्य जीत, गाजा में युद्ध, जो यहूदा के पश्चिम में है, और गोलियत के भाई की हार के बारे में कुछ और बताने के लिए वापस जाता है।

यह बात इतिहास में बहुत स्पष्ट है, लेकिन शमूएल में यह बात उतनी स्पष्ट नहीं है। शमूएल में, कथा में, यह दाऊद है जो गोलियत को मारता है। लेकिन वास्तव में, 2 शमूएल अध्याय 3 [2 शमूएल 21एल:19] के वीर सैनिकों के विवरण में, यह एल्हानान है जो गोलियत को मारता है।

अब, इतिहासकार ने इन ग्रंथों को एक अलग तरीके से पढ़ा, और यह सोचने के लिए हर कारण है कि वह सही था, कि इतिहासकार ने हार को पढ़ा, एल्हानान की विजय गोलियत के भाई की थी। इसलिए, मुझे नहीं पता कि यह विरोधाभास था जिसने इतिहासकार को परेशान किया। मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि वह विरोधाभासों को वैसे ही छोड़ देता है जैसे वे उसके स्रोतों में हैं, अगर वह उन्हें इसी तरह पाता है।

उन्होंने अपने सूत्रों की व्याख्या करते हुए कहा कि एल्हानान ने जिस व्यक्ति को हराया था, वह गोलियत का भाई था। फिर, गत में युद्ध हुआ, और इतिहासकार वहाँ दैत्य की हार के बारे में बात करता है। तो, यह वह तरीका था जिससे दाऊद का राज्य यरूशलेम शहर और उसके आस-पास के क्षेत्रों से, पूर्व में मोआब से, दक्षिण में एदोम से, पश्चिम में पलिशतियों से, लेकिन फिर पूर्व और उत्तर में जॉर्डन नदी के दूसरी तरफ अरामियों और अम्मोनियों की हार से फैल गया, क्योंकि दोनों ने एक साथ गठबंधन किया था और दोनों को दाऊद की सेनाओं ने हरा दिया था।

तो, अब हमारे पास एक बड़ा क्षेत्र है जो उसके नियंत्रण में दाऊद का साम्राज्य बन गया है, जिसे दाऊद के राज्य के रूप में जाना जाएगा, जो अकाबा की खाड़ी से लेकर उत्तर में अरामज़ोबा के क्षेत्र में लेबनान पर्वतमाला तक फैला हुआ है। तो, अब यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर दाऊद का शासन नहीं है, इतना ही नहीं यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर वह अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करता है, वह उनके नेताओं को नियुक्त करता है, और उनसे कर वसूलता है। दूसरे शब्दों में, इतिहासकार यहाँ हमें बता रहा है कि किस तरह से दाऊद एक साम्राज्य बन जाता है।

यह डॉ. ऑगस्ट कोंकेल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 9 है, ऐतिहासिक इज़राइल।